विद्या ददाति विनयम्

सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

(सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर

दूरभाष : 0551-2201036 फैक्स: 0551-2335124

विवरणिका

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. नागेन्द्र सिंह जी (दाढ़ी बाबा)

"सरस्वती वन्दना"

या कुन्देदुतुषार हारधवला
या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा
या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभि
देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती,
निःशेष जाड्यापहा॥१॥
शुक्लां ब्रह्म विचारसार,
परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं।
वीणापुस्तकधारिणीम्
अभयदां जाड्यान्धकारापहाम्॥
हस्ते स्फटिक-मालिकां
विदधतीं पद्मासने सस्थितां।
वन्दे तां परमेश्वरीं
भगवतींबुद्धिप्रदां शारदाम्॥२॥

"गायत्री मन्त्र"

ओऽम भूर्भवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यम्।
भर्गोदेवस्य! धी महि, धियो! यो नः प्रचोदयात्।।

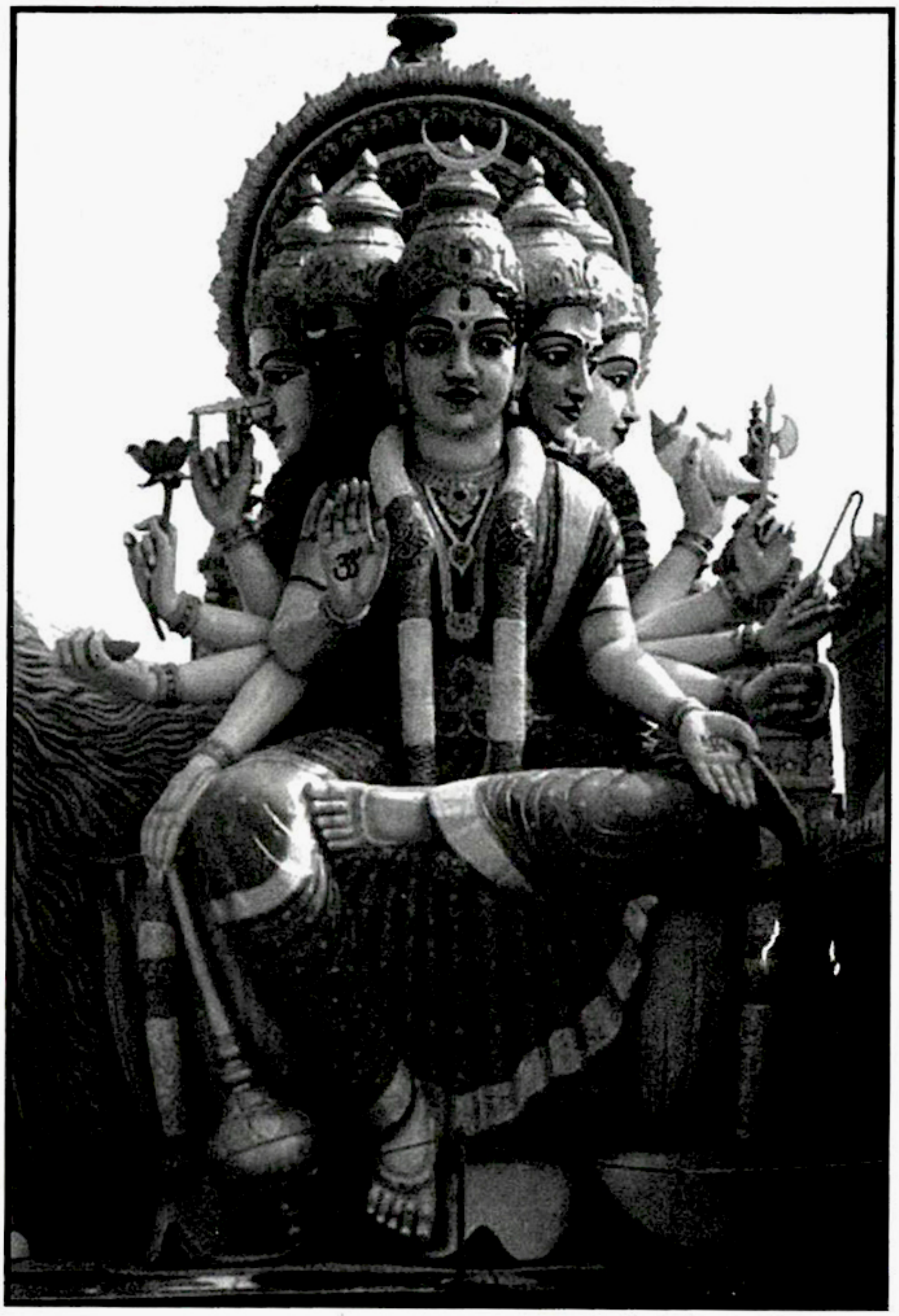

भावार्थः हे परम पिता परमेश्वर, आप सबके रक्षक, सबके दुःखो को हरने वाले, सब सुखों के आगार और संसार के पालन करने वाले हैं। हम आपके पाप नाशक, तेजस्व रुप का ध्यान करते हैं। आप हमारी बुद्धि को प्रकाशित कर सतकर्मों की ओर प्रेरित करें। आपसे हमारी बुद्धि कदापि विमुख न होवे यही प्रार्थना है।

सरस्वती विद्या मन्दिर
स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

एक परिचय

शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र की संस्कृति का संरक्षण, संवर्धन एवं हस्तान्तरण होता है। बालक एवं बालिका शिक्षा के माध्यम से ही अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं तथा राष्ट्रीय संस्कृति को ग्रहण करते हैं।

शिक्षा हमारे अन्तर्निहित अज्ञान रुपी अंधकार को दूर कर ज्ञानरुपी प्रकाश प्रज्जवलित करती है। यह व्यक्ति को सभ्य एवं सुसंस्कृत बनाने का एक सशक्त माध्यम है। यह हमारी अनुभूति एवं संवेदनशीलता को प्रबल करती है तथा वर्तमान एवं भविष्य के निर्माण का अनुपम स्त्रोत है। आज का मानव अपने मानवीय मूल्यों के प्रति विमुख हो चुका है। परम्परागत आदर्श समाप्त होते प्रतीत हो रहे हैं। हमारे आदर्श एवं विश्वास समाज में अनुपस्थित होते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में उचित शिक्षा ही हमारे मूल्यों को विकसित करने में सार्थक कदम उठा सकती है। शिक्षा हमारे वाँछित शक्ति का विकास करती है। इसके आधार पर ही अनुसंधान और विकास को बल मिलता है। यह हमारी संवेदनशीलता और दृष्टि को प्रखर करती है। इससे वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है तथा समझ एवं चिन्तन में स्वतंत्रता आती है। एक प्रकार से शिक्षा राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता एवं मनुष्य के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है।

अंधकार से प्रकाश की इस यात्रा पर सिर्फ बालकों का ही अधिकार नहीं हो सकता है। बलिकाओं को इस मार्ग पर चलने का प्रथम अधिकार होना चाहिए। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि अपाला, गार्गी, सती सावित्री आदि जैसी आदर्श महिलाओं ने भारतीय समाज के समक्ष एक ऐसा अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

किन्तु सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि स्त्री शिक्षा तथा सम्मान के प्रति इस हद तक जागृत रहे भारतीय समाज में, परकीय शासन के समय विभिन्न कारणों से स्त्रियों को शिक्षा देना

अनावश्यक मान लिया गया था। फलस्वरुप वे अनेक प्रकार के अंधविश्वास, कुसंस्कारों तथा सामाजिक रुढ़ियों से घिर गयीं। आज भी हमें एक लम्बी दूरी तय करना है एवं स्त्रियों को इस शिक्षा यज्ञ में सहयात्री बनाना है।

अतः अपने उक्त उद्देश्यों को लेकर अंधकार के विरुद्ध गोरखपुर नगर में एक दीप के रुप में 13 जुलाई 1964 को स्थापित यह विद्यालय आज विकास के विभिन्न सोपानों प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल, इंटर कालेज को पार करता हुआ स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय स्तर का होकर एक वृहद शिक्षण संस्थान के रुप में हम लोगों के बीच अवस्थित है।

वास्तव में विद्यालय की स्थापना के समय ही इस विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान ने स्त्री शिक्षा के जिस विशाल वट वृक्ष की कल्पना की थी वह महिला महाविद्यालय की स्थापना के रुप में साकार हो गयी। यह महाविद्यालय अल्प समय में ही उत्तम अध्ययन-अध्यापन, आदर्श अनुशासन, अत्यन्त शान्त वातावरण एवं उत्तम शैक्षिक क्रिया-कलापों के कारण महानगर में एक प्रतिष्ठित स्थान बना चुका है। विज्ञान संकाय के अन्तर्गत जीव विज्ञान वर्ग में स्नातक स्तर पर 1998-99 से बहनों को शिक्षा दी जा रही है। जिसका विगत वर्षों में परीक्षाफल उत्तम रहा है। विकास के क्रम में शैक्षिक सत्र 2004-05 से बी०काम०, सत्र 2007-08 से विज्ञान संकाय के अन्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर प्राणि विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान एवं 2009-10 से बी०एस-सी० होमसाइंस में शिक्षा प्रदान की जा रही है। सत्र 2010-11 से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त बी०एड० की कक्षाएँ सुचारु रुप से चल रही हैं। भविष्य में इस महाविद्यालय में अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शिक्षा की योजना है। वर्तमान में सुदूर क्षेत्र से अध्ययन करने के लिए आने वाली छात्राओं को महानगर में रहने में हो रही असुविधाओं को देखते हुये संस्थान ने सरस्वती विद्या मंदिर जीजाबाई महिला छात्रावास प्रारम्भ किया है। जिसमें कक्षा नवम् से ऊपर की कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्राओं हेतु परिसर में ही आवास की व्यवस्था है।

अतः इस महाशैक्षणिक परिवेश के निर्माण हेतु पूर्व की ही भाँति आपका स्नेह, सद्भाव, सहयोग, मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा। इस भावना से हम आपके सहयोग एवं सुझाव सादर आमंत्रित करते हैं।

संस्कार शील शिक्षा

किसी भी राष्ट्र को निष्ठावान, प्रमाणिक एवं राष्ट्रहित के पवित्र भाव से अनुप्राणित होकर, अपनी समस्त प्रतिभा एवं कार्यशक्ति को राष्ट्र के हित में अर्पित करने वाले तरुणियों की आवश्यकता होती है। निश्चय ही अंत: शक्तियों के विकास की यह शिक्षा मनुष्य को उसकी शिशु अवस्था में सहज ही दी जा सकती है। जब वह कच्ची मिट्टी की तरह गीला और लचीला होता है उसे जिस किसी उन्नत दिशा में ले जाना चाहें, ले जाया जा सकता है। हमारे यहाँ बालिका को ईश्वर रुप माना गया है, जिसका तात्पर्य है कि उसमें पूर्णत्व की अनंत संभावनाएँ विद्यमान हैं और उसका मन कोमल, पूर्वाग्रह एवं राग-द्वेष रहित होता है। इस आयु में उसमें अनंत जिज्ञासा होती है और किसी भी आदर्श को चरित्र में ढाल लेने की अपूर्व क्षमता उसके संस्कार, शिक्षा, स्नेह की भाषा और उसके अनुभव से होती है।

भारतीय शिक्षा का अर्थ संस्कार होता है। शिक्षा उस व्यवहार का नाम है, जो बालिका के जीवन एवं आचरण में परिवर्तन लाती है। सर्वांगीण शिक्षा बालिका के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास का आयोजन करती है।

किन्तु विडम्बना यह है कि शिक्षा के नाम पर हमारे देश में कान्वेन्ट विद्यालयों के माध्यम से, जो पाश्चात्य संस्कृति प्रवेश कर गयी है, वह धीरे-धीरे हमारे भारतीय संस्कारों को लुप्त करती जा रही है। लार्ड मैकाले की यह शिक्षा पद्धति शिशु को बालपन से ही इस तरह प्रभावित करती है कि युवा होने तक अपनी संस्कृति, राष्ट्रीयता, सामाजिकता, मानवीयता, नैतिक-चरित्र जैसे बिन्दुओं पर ध्यान न देकर पूर्ण रूप से दिग्भ्रमित हो चुका होता है। किसी भी आदर्श राष्ट्र का निर्माण वहाँ के रहने वाले संस्कारित नागरिकों से होता है। आज की बालिका ही कल की भावी कर्णधार होगी जिसे शिक्षा के माध्यम से ही संस्कारित करके आदर्श राष्ट्र के निर्माण में लगाया जा सकता है। किन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह चिन्तन का विषय है कि यदि भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत संस्कृति शिक्षा का माध्यम ही उचित नहीं होगा, तो आदर्श राष्ट्र की कल्पना कैसे की जा सकती है? आखिर भारत की विशेषता क्या रही है? यह विशेषता है उसकी

संस्कारमयी, वात्साल्य से परिपूर्ण भारतीय संस्कृति का अवगाहन करने वाली ममता के आधार पर समतामूलक शिक्षा पद्धति किन्तु यह दुर्भाग्य है कि धीरे-धीरे अंग्रेजी माध्यम की यह नयी पीढ़ी उन्हें समाप्त कर रही है। यही कारण है कि हमारे देश के युवा वैज्ञानिक, चिकित्सक, अन्वेषक आदि विदेशों की तरफ आकर्षित होकर तेजी से पलायन कर रहे हैं। यदि हमारी यह प्रतिभा चली गयी तो प्रतिभाहीन भारत जमीन का मात्र एक टुकड़ा रह जायेगा।

इसी भावना से मर्माहत होकर विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान द्वारा महिला महाविद्यालय की परिकल्पना की गयी जिसके माध्यम से बलिकाओं को विषय ज्ञान के साथ-साथ अपनी भारतीय संस्कृति, परम्पराओं तथा राष्ट्रीयता के प्रति जागरुकता जैसे संस्कारों से संस्कारित करके एक स्वस्थ समाज की संरचना में सहयोग देने वाला बनाकर एक आदर्श राष्ट्र के निर्माण में लगाना है।

संस्कारित शिक्षा के माध्यम से ही राष्ट्र के उत्थान में सहयोग देना होगा, आत्ममंथन करना होगा तथा आत्मनुशासन को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू करना है। जिसके द्वारा भारत स्वस्थ व मानसिक रुप से स्वतंत्र चेतना के धरातल पर जीवन विकास की वास्तविक अनुभूति दे सके तथाा संस्कारित शिक्षा के माध्यम से बालिकाओं का चारित्रिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक विकास करें और प्रत्येक बालिका को इस स्वार्णिम युग का अग्रदूत बनायें ताकि आने वाले दिनों में भारत का गौरव सूर्य विश्व में प्रतीक बने और भारत एक बार फिर विश्वगुरु कहलाये।

धन्यवाद!

आपका अपना ही

रामदेव तुलस्यान

मंत्री/प्रबन्धक

सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

आर्यनगर, गोरखपुर

सरस्वती विद्या मन्दिर

शिक्षा योजना

बोध सूत्र

शिक्षा का आधार	संस्कृति	ज्ञान	चरित्र
आचार्य की कसौटी	प्रेरणा	ज्ञान	कुशलता
छात्र के विकास की दिशा	ज्ञान	क्रिया	भावना
प्रबन्ध समिति का कार्य	श्रद्धा	सेवा	संरक्षण
अभिभावक का दायित्व	संस्कार	सामाजिकता	सहयोग
विद्या मन्दिर में प्रतिस्थापित देवता	मातृभूमि	प्राणिमात्र	पुस्तक मातृभाषा

संचालित पाठ्यक्रम

अ) विज्ञान संकाय के अन्तर्गत

1. बी.एस-सी जीव विज्ञान
2. बी.एस-सी होम साइंस
3. एम.एस-सी प्राणि विज्ञान
4. एम.एस-सी वनस्पति विज्ञान

ब) वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत

बी.काम

स) शिक्षा संकाय के अन्तर्गत

बी.एड

महाविद्यालय नियमावली

1. प्रवेश आवेदन पत्र एवं प्रवेश की प्रक्रिया

(i) बी.एस-सी प्रथम वर्ष/बी.काम प्रथम वर्ष

1. विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा द्वारा चयनित/आवन्टित अभ्यर्थी निर्धारित अवधि के अन्तर्गत महाविद्यालय कार्यालय से प्रात: 10.00 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक नकद ₹ 250.00 भुगतान कर प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

2. पूर्ण आवेदन पत्र हाई स्कूल के प्रमाण पत्र या इसके समकक्ष जिसमें आयु प्रमाणित हो एवं इण्टर के अंक पत्र की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति के साथ महाविद्यालय शुल्क जमा कर निर्धारित समय के अन्दर प्रवेश ले लेवें । प्रवेश प्रात: 10.00 से अपराह्न 2.00 बजे तक होगा।

5. चयनित/आवंटित अभ्यर्थी निर्धारित समय एवं तिथि पर प्रवेश समिति के समक्ष आवश्यक प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ उपस्थित होंगे। (हाई स्कूल एवं इण्टर के अंक-पत्र, आयु प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र एवं पिछड़ी जाति/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति प्रमाण-पत्र) वर्ष 2015 से पूर्व के वर्ष में उत्तीर्ण छात्राओं को प्रवेश के समय शपथ पत्र (स्टैम्प पेपर पर) जमा करना अनिवार्य है।

6. बी.एस-सी प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु वार्षिक शुल्क ₹ 3000.00 एवं बी.काम प्रथम वर्ष हेतु वार्षिक शुल्क ₹ 3000.00 तथा स्थानान्तरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण की मूल प्रति प्रवेश के समय जमा करना अनिवार्य है।

7. स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष में कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा के शिक्षण शुल्क में आधा एवं द्वितीय स्थान पाने वाली छात्रा के शिक्षण शुल्क में चौथाई शुल्क माफ होगा।

(ii) बी.एस-सी द्वितीय/तृतीय वर्ष

1. बी.एस-सी प्रथम/द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण छात्राएँ परीक्षाफल घोषित होने के उपरान्त बी.एस-सी द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने के लिए महाविद्यालय कार्यालय से ₹ 250.00 भुगतान करके आवेदन पत्र प्राप्त करें।

2. पूर्ण आवेदन पत्र बी.एस-सी प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष के अंक पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि एवं वार्षिक शुल्क ₹ 3000.00 के साथ एक सप्ताह के अन्दर जमा करके अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लें।

(iii) एम.एस-सी प्रथम वर्ष (प्राणि विज्ञान/वनस्पति विज्ञान)

1. आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्रात: 10.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक नकद ₹ 250.00 भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है।

2. महाविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र पूर्णतया पूरित कर समस्त प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ कार्यालय में जमा करें।

3. प्रवेश प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी।

4. इस महाविद्यालय से बी.एस-सी तृतीय वर्ष उत्तीर्ण छात्राओं का प्रवेश शुल्क ₹ 500.00 नहीं लगेगा।

(iv) बी.काम द्वितीय वर्ष/तृतीय वर्ष

1. बी.काम प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण छात्राएँ परीक्षाफल घोषित होने के उपरान्त द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने के लिए महाविद्यालय कार्यालय से ₹ 250.00 भुगतान करके आवेदन पत्र प्राप्त करें।

2. पूर्ण आवेदन पत्र प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष के अंक पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि एवं वार्षिक शुल्क ₹ 2500.00 के साथ एक सप्ताह के अन्दर जमा करके अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

(v) एम.एस-सी द्वितीय वर्ष (प्राणि विज्ञान/वनस्पति विज्ञान)

1. एम.एस-सी प्रथम वर्ष उत्तीर्ण छात्राएं परीक्षाफल घोषित होने के उपरान्त द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने के लिए महाविद्यालय कार्यालय से ₹ 250.00 भुगतान करके आवेदन-पत्र प्राप्त करें।

2. पूर्ण आवेदन-पत्र एम.एस-सी प्रथम वर्ष के अंक पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं शुल्क ₹ 13,500.00 जमा करके अपना प्रवेश करा लें।

1. मासिक एवं वार्षिक शुल्क विवरण

क्र. सं.	कक्षा	वार्षिक शुल्क जुलाई माह में देय	द्विमासिक शुल्क अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी माह में देय
1.	बी०एस-सी बायो प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष	3,000/-	2,250/-
2.	बी०एस-सी होम साइंस प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष	3,000/-	2,000/-
3.	बी०काम प्रथम वर्ष	3,000/-	2,000/-
4.	बी०काम द्वितीय/तृतीय वर्ष	2,500/-	2,000/-
5.	एम०एस-सी प्रथम वर्ष	13,500/-	12,300/- **अक्टूबर में देय**
6.	एम०एस-सी द्वितीय वर्ष	13,500/-	12,300/- **अक्टूबर में देय**
7.	बी०एड	शासन द्वारा निर्धारित शुल्क देय होगा	

1. इस संस्था से उत्तीर्ण छात्राओं का बी0एस-सी प्रथम वर्ष, बी0काम प्रथम वर्ष एवं एम0एस-सी प्रथम वर्ष में प्रवेश शुल्क ₹ 500/- नहीं लगेगा।
2. शुल्क प्रतिमाह के दिनांक 5 से 15 तारीख तक प्रात: 9.30 से 1.30 तक जमा होगा।
3. निर्धारित माह में शुल्क जमा न करने पर ₹ 100/- प्रति द्विमासिक विलम्ब शुल्क देय होगा।
4. **विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षा एवं नामांकन शुल्क अलग से देय होगा।**

2. महाविद्यालय का समय

1. विज्ञान संकाय की छात्राओं का शिक्षण कार्य प्रात: 10.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक सम्पन्न होगा।
2. वाणिज्य संकाय की छात्राओं का शिक्षण कार्य प्रात: 10.00 बजे से अपराह्न 1.45 बजे तक सम्पन्न होगा।

3. गणवेश

1. महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है।
2. गणवेश में स्लेटी रंग का पूरी बाँह एवं बन्द गले का कुर्ता, सफेद रंग की सलवार एवं सफेद रंग का सूती दुपट्टा है।

3. गणवेश में सफेद रंग का मोजा एवं काला जूता निर्धारित है।

4. जाड़े में नेवी ब्लू रंग का स्वेटर या ब्लैजर निर्धारित है।

4. उपस्थिति

1. सभी छात्राओं को प्रत्येक कार्यदिवस में महाविद्यालय आना आवश्यक है।

2. अनुपस्थित होने की अवस्था में अगले कार्यदिवस पर प्रार्थना-पत्र, जिसमें कारण उल्लिखित हो एवं जिस पर अभिभावक के हस्ताक्षर हों, के संग आने पर ही कक्षा में उपस्थिति दर्ज की जायेगी।

3. बी0एस-सी0, बी0काम0 एवं एम0एस-सी0 की छात्राओं की उपस्थित 75 प्रतिशत अनिवार्य है। यदि 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति रहती है तो महाविद्यालय को यह अधिकार होगा कि वह छात्रा को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित कर दे या महाविद्यालय द्वारा निर्धारित आर्थिक दण्ड छात्रा को देना होगा।

4. महाविद्यालय में बी0एस-सी0 एवं बी0काम0 की छात्राओं की अर्द्धवार्षिक परीक्षा आयोजित की जाती है। उक्त परीक्षा में छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य है। अन्यथा ₹ 100/- प्रति विषय की दर से आर्थिक दण्ड देय होगा।

5. महाविद्यालय में आयोजित होने वाले प्रत्येक राष्ट्रीय पर्व एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रत्येक छात्रा की उपस्थित अनिवार्य है।

6. अभिभावकों से आशा की जाती है कि अपने पाल्य की महाविद्यालय में उपस्थिति का ध्यान रखेंगे तथा समय-समय पर महाविद्यालय से अपने पाल्य के विषय में जानकारी प्राप्त करते रहेंगे।

5. परिचय पत्र

1. महाविद्यालय में प्रवेश लेने के तत्काल बाद ही प्रत्येक छात्रा को महाविद्यालय कार्यालय में अपना पंजीकरण कराकर परिचय पत्र लेना आवश्यक है।

2. परिचय पत्र महाविद्यालय में सदैव अपने साथ रखना अनिवार्य होगा अन्यथा महाविद्यालय परिसर में प्रवेश वर्जित होगा।

3. परिचय पत्र खो जाने पर परिचय पत्र की दूसरी प्रति तभी प्राप्त होगी जब प्राचार्य/प्रशासक की स्वीकृति होगी। इसके लिए प्रार्थना पत्र एवं ₹ 25.00 नकद महाविद्यालय कार्यालय में जमा करना होगा।

6. पुस्तकालय व वाचनालय

1. महाविद्यालय पुस्तकालय का उपयोग सभी छात्रायें पुस्तकालय कार्ड के द्वारा ही कर सकती हैं।

2. पुस्तकालय में प्रवेश के लिए परिचय पत्र का होना आवश्यक है।

3. पुस्तकालय से संलग्न वाचनालय भी है, जिसमें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र, पत्रिकायें, जर्नल उपलब्ध है, जिसका उपयोग प्रत्येक छात्रा वहीं बैठकर कर सकती है।

4. पुस्तकालय में विषय से सम्बन्धित पर्याप्त मात्रा में पुस्तकें उपलब्ध हैं जिसका लाभ छात्राओं को उठाना चाहिए।

7. बैंक की सुविधा

महाविद्यालय परिसर में ही बैंक स्थापित है, जिसका उपयोग सुगमता से किया जा सकता है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ड्राफ्ट आदि बनवाने की पूरी सुविधा उपलब्ध है।

8. सांस्कृतिक कार्यक्रम/देश दर्शन

महाविद्यालय में समय-समय पर निर्धारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं देशदर्शन का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी छात्राओं का भाग लेना आवश्यक है। वन विहार एवं देशदर्शन के लिए अलग से शुल्क देय होगा।

9. क्रीड़ा

महाविद्यालय में छात्राओं के विकास एवं मनोरंजन के लिये विभिन्न प्रकार के खेल सामाग्रियों की व्यवस्था है जिसका उपयोग कक्षा अवकाश के समय किया जा सकता है परन्तु उस दौरान पूर्ण अनुशासन का पालन करना आवश्यक है।

10. नैतिक तथा मूल्य परक शिक्षा

1. महाविद्यालय में प्रतिदिन प्रार्थना सभा होती है जिसमें छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

2. प्रार्थना सभा द्वारा नैतिक, मूल्यपरक एवं आध्यात्मिक शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाता है।

11. महाविद्यालय पत्रिका

छात्राओं के रचनात्मक लेखन हेतु प्रेरित करने के लिए महाविद्यालय एक पत्रिका प्रकाशित करता है। छात्राओं से आशा की जाती है कि वे सम्पादक मण्डल के निर्देशन में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का विकास करेगें।

12. राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय में शासन द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0) की इकाई का भी संचालन होता है जिसके माध्यम से शैक्षणिक विकास के साथ ही साथ छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक बनाते हुए समाज सेवा हेतु प्रेरित करते हुए विकास किया जाता है। इस इकाई ने विगत वर्ष समाज में विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा लोगों में सामाजिक समस्याओं हेतु चेतना जागृत किया है।

13. अनुशासन

1. महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के दिन से ही संस्थान के नियम एवं सिद्धान्तों का अक्षरश: पालन करना अनिवार्य है। इसके अभाव में किसी भी छात्रा को किसी भी समय महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।
2. महाविद्यालय में समय का विशेष महत्व है। महाविद्यालय समय से आने पर ही प्रवेश सम्भव है।
3. प्रार्थना सभा में उपस्थित होना, कक्षा में प्रवेश करना, प्रयोगशाला में प्रवेश आदि सभी में पूर्ण अनुशासन का पालन करना आवश्यक है।
4. महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर नयी-नयी जानकारियाँ एवं नियम का भी पालन करना अनिवार्य है।
5. **महाविद्यालय परिसर मे मोबाइल फोन का उपयोग करना या लाना पूर्णतया वर्जित है। पकड़े जाने पर मोबाइल फोन जब्त कर लिया जायेगा।**

अनुशासन जीवन की कुञ्जी है, अनुशासित व्यक्ति ही जीवन में उन्नति कर पाता है। इस महाविद्यालय की छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वे यहाँ के नियमों, परम्पराओं, विधानों का समुचित ढंग से पालन करेगीं। महाविद्यालय में अनुशासन सीखें, ज्ञानार्जन करें, चरित्रवान बनकर संस्कारित मनुष्य बनें यही इस महिला महाविद्यालय का लक्ष्य है।

बी0एड0 छात्राध्यापिकाओं के प्रवेश हेतु आवश्यक निर्देश

1. महाविद्यालय में प्रवेश हेतु काउसलिंग से आयी छात्राओं को महाविद्यालय से पंजीकरण फार्म लेकर अपना पंजीकरण निर्धारित समय में सुनिश्चित कराना होगा।
2. प्रवेशित छात्राध्यापिकाओं की महाविद्यालय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है अन्यथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार परीक्षा से वंचित कर दिया जायेगा।
3. प्रवेश के समय समस्त प्रमाण पत्रों की स्वहस्ताक्षरित छाया प्रति एवं स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, स्वास्थ प्रमाण पत्र की मूल प्रति जमा करना अनिवार्य है।
4. महाविद्यालय द्वारा निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है।
5. अध्यापन का समय प्रातः 10.00 से सायं 4.00 बजे तक होगा।
6. निर्धारित समय तक अपना पंजीकरण अवश्य करा लें अन्यथा प्रवेश निरस्त कर उसकी सूचना विश्वविद्यालय को भेज दी जायेगी।
7. महाविद्यालय परिसर में मोबाइल फोन का उपयोग करना तथा लाना पूर्णतया वर्जित है। पकड़े जाने पर मोबाइल जब्त कर लिया जायेगा।
8. महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं हेतु छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। छात्रावास हेतु छात्राओं को अलग से आवेदन पत्र कार्यालय से लेना होगा।

सरस्वती विद्या मन्दिर जीजाबाई महिला छात्रावास

आर्य नगर (उत्तरी) गोरखपुर • दूरभाष : 0551-2330496

सरस्वती विद्या मन्दिर आर्यनगर (उत्तरी) गोरखपुर अपने स्थापना के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर महिला छात्रावास प्रारम्भ किया है। सुदूर क्षेत्रों से अध्ययन करने आने वाली छात्राओं के आवास एवं भोजन की समस्या को देखते हुए वर्तमान शैक्षणिक सत्र से महिला छात्रावास की व्यवस्था की गयी है। जिसमें छात्राओं हेतु पूर्ण सुरक्षित एवं हवादार कमरे, शैक्षणिक वातावरण एवं शुद्ध सात्विक शाकाहारी भोजन की व्यवस्था है।

छात्रावास सम्बन्धी सूचना

1. छात्रावास में केवल सरस्वती विद्या मन्दिर में अध्ययनरत छात्राएं ही प्रवेश हेतु योग्य हैं। आवेदन पत्र छात्रावास कार्यालय से नकद ₹250.00 भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है।
2. छात्रावास में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्राओं को निर्धारित आवेदन-पत्र छात्रावास कार्यालय से 1 अप्रैल से प्राप्त किया जा सकता है। पूर्णरूप से भरे गये आवेदन पत्र कार्यालय में नवम् से द्वादश तक की छात्रायें 15 अप्रैल तक एवं महाविद्यालय की छात्रायें 15 जुलाई तक अवश्य जमा कर दें। अन्यथा उनके आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. सीटों का आवंटन साक्षात्कार एवं मेरिट के आधार पर किया जायेगा।
4. एक कक्ष में तीन/चार छात्राओं के लिए आवास की व्यवस्था है।

5. छात्रावास में प्रवेश शुल्क ₹1000.00, जुलाई माह में (प्रथम किस्त) ₹15000.00, अक्टूबर माह में (द्वितीय किस्त) ₹15000.00 एवं दिसम्बर माह में (तृतीय किस्त) ₹14000.00 देय होगा। उक्त शुल्क में आवास, विद्युत, रख रखाव, प्राथमिक चिकित्सा एवं भोजन जलपान की व्यवस्था सम्मिलित है।
6. छात्रावास में शुद्ध-सात्विक एवं शाकाहारी भोजन की व्यवस्था है। सप्ताह में एक बार छात्राओं की रूचि के अनुसार विशेष शाकाहारी भोजन दिया जायेगा।

डा0 महेन्द्र कुमार अग्रवाल	रामदेव तुलस्यान	शिवजी सिंह	डा. रीना त्रिपाठी
अध्यक्ष	मंत्री/प्रबन्धक	संस्थान प्रमुख	प्राचार्या

संस्थान की विशेषताएँ

1. भारतीय संस्कृति पर आधारित सर्वांगीण विकास मूलक आधुनिक शिक्षा व्यवस्था।
2. प्रखर देशभक्ति के संस्कार पूर्ण उत्तम चरित्र निर्माण पर बल।
3. नैतिक शिक्षा के विकास पर बल।
4. अभिरूचियों का सम्यक विकास।
5. स्वच्छ एवं हवादार व्याख्यान कक्ष।
6. आधुनिक उपकरणों से सम्पन्न रसायनविज्ञान, प्राणिविज्ञान तथा वनस्पतिविज्ञान की प्रयोगशाला।
7. वाचनालय की व्यवस्था।
8. वातानुकूलित कक्ष में कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था।
9. आवागमन हेतु नगर के विभिन्न क्षेत्रों से दैनिक बस का संचालन।
10. उच्च उपाधि प्राप्त एवं राष्ट्रीय पात्रता (नेट) उत्तीर्ण शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य।
11. महाविद्यालय शिक्षण कार्यकाल में बाहरी आगन्तुकों के प्रवेश पर पूर्णतया प्रतिबन्ध।
12. शैक्षिक कलेन्डर का प्रकाशन।
13. वर्ष में कम से कम 180 दिन अध्यापन।
14. संस्कार सम्पन्न संस्कृति के प्रति सचेष्ट राष्ट्रवादी विचारों से ओत-प्रोत छात्राओं के निर्माण हेतु विशेष कार्यक्रम एवं व्याख्यान मालाओं का आयोजन।
15. शिक्षणेत्तर क्रिया-कलापों की व्यवस्था।
16. सामाजिक दायित्व की जानकारी एवं निर्वहन के प्रशिक्षण हेतु एन0एस0एस0 कार्यक्रम संचालित।
17. सैन्य शिक्षा हेतु एन0सी0सी0 प्रशिक्षण।
18. छात्राओं के लिए देशदर्शन/पर्यटन की व्यवस्था।
19. संगीत, पेंटिंग, सिलाई-कढ़ाई आदि की व्यवस्था।
20. समाजोन्मुखि जीवन जीने की अभिप्रेरणा।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्

सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्

शस्य श्यामलाम् मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ॥ १ ॥

शुभ्र ज्योत्सनां पुलकित यामिनीम्

फुल्ल कुसूमित द्रुमदुल शोभिणीम्

सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम् वरदाम् मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ॥ २ ॥

कोटि कोटि कंठ कलकल निनाद कराले

कोटि कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले

अबला केनो माँ एतो बले

बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम्

रिपुदल वारिणीम् मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ॥ ३ ॥

तुमि विद्या तुमि धर्म

तुमि हृदि तुमि मर्म

त्वं हि प्राणा: शरीरे

बाहु ते तुमि माँ शक्ति

हृदये तुमि माँ भक्ति

तोमारइ प्रतिमा गड़ि मन्दिरे मन्दिरे ॥ वन्दे मातरम् ॥ ४ ॥

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी

कमला कमलदल विहारिणी

वाणी विद्या दायिनी, नमामि त्वां, नमामि कमलाम्

अमलाम्, अतुलाम्, सुजलाम्, सुफलाम्, मातरम् ॥

वन्दे मातरम् ॥ ५ ॥

श्यामलाम्, सरलाम्, सुस्मिताम्, भूषिताम्

धरणीम्, भरणीम्, मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ॥ ६ ॥

॥ भारत माता की जय ॥

Saraswati Vidya Mandir Mahila P.G. College

Arya Nagar, Gorakhpur

Year Wise Result (In %)

Year	B.Sc.-I	B.Sc.-II	B.Sc.-III	B.Com.-I	B.Com.-II	B.Com.-III	M.Sc.-I Zoology	M.Sc.-I Botany	M.Sc.-II Zoology	M.Sc.-II Botany	B.Sc.-I Home Sci.	B.Sc.-II Home Sci.	B.Sc.-III Home Sci.	B.Sc.-III Home Sci.
2002-03	80	95	100	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
2003-04	80	85	100	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
2004-05	64	97	97	98	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
2005-06	75	95	96	99	100	....	....	....	....	....	....	....	....	....
2006-07	64	88	100	92	100	100	....	....	....	....	....	....	....	....
2007-08	65	74	99	90	100	100	100	80	....	....	....	....	....	....
2008-09	71	97	97	95	97	100	100	73	89	100	....	....	....	....
2009-10	42	92	89	90	98	100	100	88	63	95	100	....	....	....
2010-11	40	80	100	95	100	100	90	72	63	100	100	100	....	....
2011-12	46	77	100	90	100	100	87	52	89	88	100	100	100	100
2012-13	50.34	96.2	94.87	88.55	100	100	92	53.3	75	70	100	100	100	100
2013-14	52.83	98.5	94.33	82.2	93.71	89.4	96	80	85	100	83.87	100	91.3	100
2014-15	57.57	89.28	100	85.65	95	99.5	88.46	86.36	39.28	92.3	100	100	100	100
2015-16	43.60	89	100	87.08	97.95	98.97	91.30	75	100	68.92	82.05	95.45	100	100
2016-17	45.62	97	100	93.86	99.5	97.46	84	84	99	81.25	86.20	100	100	100

सरस्वती विद्या मन्दिर

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर के निम्नलिखित सात प्रभाग हैं-

सरस्वती विद्या मन्दिर जूनियर हाईस्कूल

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2335124

सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2343492
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर दूरभाष : 2201036
स्नातक
(विज्ञान बायो ग्रुप, होम साइन्स एवं वाणिज्य)
स्नातकोत्तर
(प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)
बी.एड. पाठ्यक्रम

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2202359
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर जीजाबाई महिला छात्रावास

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2330496

विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान

रहमतनगर, मानीराम, गोरखपुर
बी.एड्./डी.एल.एड्. पाठ्यक्रम
दूरभाष : 7081103531

SVM Public School

Chiutaha, Maniram, Gorakhpur
(Affiliated to CBSE Board New Delhi)
Ph.: 2108883

SARASWATI VIDYA MANDIR MAHILA P.G. COLLEGE

(Affiliated to : DDU Gorakhpur University, Gorakhpur)
Arya Nagar, Gorakhpur
E-mail : vidyamandir.gkp@gmail.com I Website - www.vidyamandir.edu.in